एम.टी.टी.–052
अनुवाद : प्रक्रिया और प्रविधि
सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–052
सत्रीय कार्य कोड : एम.टी.टी.–052/टीएमए/2023–24
अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खंड–1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500–500 शब्दों में दीजिए :

1. अनुवाद की प्रविधि से क्या अभिप्राय है? अनुवाद की विभिन्न प्रविधियों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 10

2. अनुवाद पुनरीक्षण के अर्थ और प्रक्रिया का विवेचन कीजिए। 10

3. पारिभाषिक शब्दावली से आप क्या समझते हैं? पारिभाषिक शब्दावली निर्माण संबंधी विभिन्न विचारधाराओं का सोदाहरण परिचय दीजिए। 10

4. निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250–250 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : 5x2=10
   क) 'रूपांतरण' शब्द–प्रयोग की व्याप्ति
   ख) कंप्यूटर कोश और ऑनलाइन कोश में अंतर

5. कम से कम पाँच महत्वपूर्ण कोशों के नाम बताइए। 5

6. निम्नलिखित हिंदी शब्दों को हिंदी वर्णक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए : 5

   रक्त, रूपांतरण, रिवाज़, राशि, रुद्राक्ष, रूपिम, रौरव, राशन, राक्षस, रोजगार, रचनात्मक, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीयता, राकेश, रेशम

7. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों को वर्णक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए : 5

   staple, strategy, soccer, sapling, supreme, suppress, satisfied, sacrifice, sportsmanship, slot, symphony, sinking, stain, surrounding, satire

8. निम्नलिखित शब्दों का रोमन/देवनागरी में लिप्यंतरण कीजिए : 5

कँवलजीत	Constitution
क्षेमचंद्र	poverty
भर्तृहरि	wrestler
ज्ञानेंद्र	psychology
त्रिलोकीनाथ	fracture

9. पाठ्यक्रम में पारिभाषिक शब्दावली संबंधी किए गए अध्ययन के आलोक में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की निम्नलिखित तकनीकों/युक्तियों के आधार पर निर्मित बीस पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय लिखिए :

क) हिंदी में अंगीकृत पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय
ख) हिंदी में अनुकूलित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय
ग) हिंदी में नव–निर्मित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय
घ) हिंदी में अनूदित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय 20

10. निम्नलिखित सामग्री का हिंदी में सारानुवाद कीजिए : 10

Leadership development has now become the top priority for HR (human resource) professionals with emphasis on leadership as a core capability of all employees across sectors. This new trend has replaced engagement, according to a survey conducted by the Top Employers Institute globally.

There is also a shift towards individuals being responsible for their own development needs. This leads to customized leadership development programmes. Many high-growth organizations in India have a relatively large proportion of millennials in leadership positions. They drive the change in leadership development methods as they prefer to use innovative means for personal development over traditional methods such as formal workshops, training courses and development assignments, in line with the global trend of developing leadership skills individually.

With companies becoming less hierarchical and opting for flatter structures, it is noticeable that they are starting to identify future leaders not by job title or position but by influence and performance. And those future leaders are beginning to get the opportunity to gain broader life and commercial skills, and to step outside their comfort zone, by undertaking challenging projects, either inside the organization or externally, usually outside the scope of their main role. This broader approach to self-development is important as ownership for personal development rapidly shifts to the individual, no longer residing with human resources or line managers, says the report.

With individual ownership also comes the need for a different mindset. Some of the top employers offer training around resilience and mindfulness to help employees make this transition. Intrinsically linked to this mindset is an understanding of wellbeing and a balance between food, rest and exercise, and companies need to encourage this within all employees. We need to make sure that the next generation of leaders do not reach 'burn out'. As most now operate in an always online, always connected business environment the need to alleviate both stress and the pressure of always being 'present' should be very much a part of self development, the report says.

The leadership Development report is based on the findings of the top employers HR Best Practices Survey that surveyed 600 certified organizations in 99 countries and included a sample size of 3,000 employees.

11. नीचे दिए गए अंग्रेजी पाठ और उसके हिंदी अनुवाद को सावधानी से पढ़िए और अनूदित पाठ का पुनरीक्षण कीजिए: 10

मूल :

Treatment options for the depressed child

Psychotherapy or talk therapy has by far been the most effective in treating the depressed child. Under talk therapy we have cognitive therapy, behavioral therapy and what Dr John White, psychiatrist and author of the book *The Masks of Melancholy,* calls grief work. Talk therapy in a nutshell essentially helps a child deal with negative thinking and distorted interpretations of their world. Leading researcher Dr. Paul O' Callaghan in his work among sexually abused children of the Democratic Republic of Congo was immensely successful as he used psychotherapy. Children were encouraged to draw pictures of their traumatic experiences and were encouraged to talk about their feelings in individual sessions.

The use of antidepressants in children is widely debated. The US Food and Drug Administration (FDA) warns against its use among children citing severe side effects. However, antidepressants are still used in very severe cased of depression in children. Parents are often the last to recognize depression in their children and the frustrations of dealing with a depressed child may compound the difficulty before they become fully aware of it. I hope this article will help some parent somewhere to recognize a depressed child and help them overcome their depression.

हिंदी अनुवाद :

तनावग्रस्त बच्चे का इलाज

साइकोथेरेपी या बातचीत इलाज तनावग्रस्त बच्चे के इलाज की सबसे उत्तम विधि है। इसमें ज्ञानात्मक इलाज, व्यवहार संबंधी चिकित्सा व जिसे मनोचिकित्सक व द मॉस्क ऑफ मेलनकोली के लेखक डॉक्टर जॉन व्हाईट, विषाद वर्णन कहते हैं, शामिल हैं बातचीत से इलाज मूलतः बच्चे को नकारात्मक सोच और अपनी दुनिया की विकृत व्याख्याओं से बचाती है। ख्यात अनुसंधित्सु डाक्टर पाल ओ केलेघन ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में यौन शोषण से ग्रसित बच्चों के बीच दीर्घावधि तक कार्य किया। उनका अनुभव है यह कि साइकोथेरेपी ने इन बच्चों को सामान्य जीवन जीने में सहायता की। बच्चों से यह कहा गया कि वे जिस भयावह अनुभाविकता से गुजरे हैं, उसके चित्र बनाएं और उसके बारे में बात करें। जाहिर है कि यह बातचीत अकेले में की जाती थी।

बच्चों के अवसाद के इलाज के लिए तनाव अवरोधक (एन्टीडिप्रेसेंट) दवाओं का प्रयोग किया जाना चाहिए अथवा नहीं, इस पर गंभीर मतभेद हैं। अमेरिका का फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन इसके खिलाफ है क्योंकि इन दवाओं के ढेर सारे साइड इफेक्ट्स होते हैं। परंतु गंभीर रूप से तनावग्रस्त बच्चों के इलाज के लिए एंटीडिप्रेसेंट दवाओं का प्रयोग किया जाता है।

अक्सर माता–पिता अपने बच्चों में तनाव के लक्षण पहचान नहीं पाते और तनावग्रस्त बच्चे के लालन–पालन में आने वाली कठिनाइयां उन्हें कुंठित–परेशान करती हैं। हमें उम्मीद है कि यह अनुच्छेद, माता–पिता को उनके बच्चों में तनाव के लक्षणों की पहचान करने में मदद करेगा और वे अपने बच्चों को तनाव से मुक्त कर सकेंगे।

*****

एम.टी.टी.-052
अनुवाद : प्रक्रिया और प्रविधि

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.-052
सत्रीय कार्य कोड : एम.टी.टी:-052/ टीएमए / 2023-24

अस्वीकरण/विशेष नोट: ये सत्रीय कार्य में दिए गए कुछ प्रश्नों के उत्तर/समाधान के नमूने मात्र हैं। ये नमूना उत्तरS/समाधान निजी शिक्षक/शिक्षक/लेखकों द्वारा छात्र की सहायता और मार्गदर्शन के लिए तैयार किए जाते हैं ताकि यह पता चल सके कि वह दिए गए प्रश्नों का उत्तर कैसे दे सकता है। हम इन नमूना उत्तरों की 100% सटीकता का दावा नहीं करते हैं क्योंकि ये निजी शिक्षक/शिक्षक के ज्ञान और क्षमता पर आधारित हैं। सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर तैयार करने के संदर्भ के लिए नमूना उत्तरों को मार्गदर्शक/सहायता के रूप में देखा जा सकता है। चूंकि ये समाधान और उत्तर निजी शिक्षक/शिक्षक द्वारा तैयार किए जाते हैं, इसलिए त्रुटि या गलती की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। किसी भी चूक या त्रुटि के लिए बहुत खेद है, हालांकि इन नमूना उत्तरों / समाधानों को तैयार करते समय हर सावधानी बरती गई है। किसी विशेष उत्तर को तैयार करने से पहले और अप-टू-डेट और सटीक जानकारी, डेटा और समाधान के लिए कृपया अपने स्वयं के शिक्षक/शिक्षक से परामर्श लें। छात्र को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई आधिकारिक अध्ययन सामग्री को पढ़ना और देखना चाहिए।

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खंड-1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500-500 शब्दों में दीजिए :

1. अनुवाद की प्रविधि से क्या अभिप्राय है? अनुवाद की विभिन्न प्रविधियों की सोदाहरण चर्चा कीजिए।

अनुवाद की प्रविधि से आम तौर पर विचार किया जाता है कि एक भाषा से दूसरी भाषा में भाषांतर कैसे किया जाता है। यह एक तरह की कला है जिसमें विभिन्न भाषाओं और सांस्कृतिक संदर्भों के बीच संवाद को समझने और पुनररूपित करने का प्रयास किया जाता है। अनुवाद का मुख्य उद्देश्य एक भाषा से दूसरी भाषा में जानकारी, भावनाएं, और संदेशों को सही रूप से साझा करना होता है।

अनुवाद की प्रविधि की चर्चा करते समय, हमें विभिन्न प्रकार के अनुवादों की तुलना करने का मौका मिलता है, जो भाषा की विविधता और रिचना को दिखाते हैं। यहां कुछ प्रमुख अनुवाद प्रविधियों की चर्चा की जाएगी:

1. **शब्द-शब्द अनुवाद (Literal Translation):** इस प्रकार के अनुवाद में प्राथमिक उद्देश्य वाक्यांशों और शब्दों को एक भाषा से दूसरी भाषा में एक-से-एक मैप करना होता है, जिसका परिणामस्वरूप अक्सर भाषांतर में अर्थ और भावनाओं की कम समझ मिलती है। इस तरह का अनुवाद अक्सर शब्द-शब्द अनुवाद के रूप में जाना जाता है, और यह भाषाओं की संरचना और व्याकरण को महत्वपूर्ण रूप से मान्यता देता है। इसका उदाहरण निम्नलिखित है:

- **वाक्यांश:** "बहुत अच्छा दिन है।" अंग्रेजी में शब्द-शब्द अनुवाद: "Very good day is." इस अनुवाद में भाषांतर की गई भाषा का ग्रामर अनुसरण किया गया है, लेकिन अर्थ में कई गलतियां हैं।

2. **आर्थिक अनुवाद (Literal Translation):** इस प्रकार के अनुवाद में शब्दों के स्थान पर अर्थ को प्रमुखता दी जाती है, और वाक्यांशों के बीच सम्बंध नजरअंदाज किए जाते हैं। इसका परिणामस्वरूप भाषांतर किये गए पाठ का मानव भाषा में ठीक अर्थ दिखता है, लेकिन अक्सर ग्रामर और सांस्कृतिक संदर्भ का ध्यान नहीं दिया जाता।

    - **वाक्यांश:** "सुबह हो गई है।" अंग्रेजी में आर्थिक अनुवाद: "Morning has come." इस अनुवाद में अर्थ को प्रमुखता दी गई है, लेकिन वाक्यांश का संरचन और व्याकरण अच्छे से नहीं दिखते।

3. **विभावनात्मक अनुवाद (Emotional Translation):** इस प्रकार के अनुवाद में प्राथमिक ध्यान भावनाओं और भाषा के प्रति भावनाओं को दिया जाता है। यह अनुवादक की कोशिश होती है कि वह मूल पाठ की भावना और भाषा को सही तरीके से प्रकट करें, भले ही शब्दों का शब्द-शब्द अनुवाद ना हो।

    - **वाक्यांश:** "मैं तुमसे प्यार करता हूँ।" अंग्रेजी में विभावनात्मक अनुवाद: "I love you." इस अनुवाद में अर्थ के साथ भावना को भी प्रमुखता दी गई है।

4. **सांवादिक अनुवाद (Conversational Translation):** इस प्रकार के अनुवाद में मूल पाठ को जैसे कि यह दो व्यक्तियों के बीच बातचीत का हिस्सा हो रहा हो, प्रस्तुत किया जाता है। इसका उदाहरण निम्नलिखित है:

    - **वाक्यांश:** "क्या तुम मेरी मदद कर सकते हो?" अंग्रेजी में सांवादिक अनुवाद: "Can you help me?" इस अनुवाद में वाक्यांश को बातचीत के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है, जिससे संवाद का अनुभव होता है।

5. **सांस्कृतिक अनुवाद (Cultural Translation):** यह अनुवाद प्रवृत्तियों, रीति-रिवाजों, और सांस्कृतिक संदर्भ को महत्वपूर्ण बनाता है और मूल पाठ को नये सांस्कृतिक संदर्भ में समझाने का प्रयास करता है।

    - **वाक्यांश:** "विजयी हो!" अंग्रेजी में सांस्कृतिक अनुवाद: "Congratulations!" इस अनुवाद में भाषा के साथ विजय के संदर्भ को भी दर्शाया जाता है।

अनुवाद की प्रविधि में इन प्रकार के अनुवादों का चयन अक्सर भाषा, संदर्भ, और उद्देश्य के आधार पर किया जाता है। कई बार अनुवादकों को एक संदर्भ में विभिन्न प्रकार के अनुवाद प्रविधियों का मिश्रण करना पड़ता है ताकि मूल पाठ का सही भावना और अर्थ प्रकट किया जा सके।

अनुवाद की प्रविधि का अभिप्राय यह है कि वह एक भाषा से दूसरी भाषा में जानकारी और संदेशों को सही रूप से प्रस्तुत करने के लिए उपयोगी होनी चाहिए। अनुवादकों को भाषा के

साथ ही संदर्भ, सांस्कृतिक अंश, और भावनाओं का भी महत्वपूर्ण ध्यान देना होता है ताकि उन्हें सही अनुवाद प्रविधि का चयन करने में मदद मिले।

2. अनुवाद पुनरीक्षण के अर्थ और प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

अनुवाद पुनरीक्षण: अर्थ और प्रक्रिया

प्रस्तावना:

भाषा एक माध्यम है जो मानव संवेदना, विचार और ज्ञान का परिचायक है। विभिन्न भाषाएँ संप्रेषण करने के लिए इस्तेमाल होती हैं, और यह आमतौर पर एक से दूसरी भाषा में अनुवाद के माध्यम से किया जाता है। अनुवाद पुनरीक्षण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिसका मुख्य उद्देश्य विचारों, भावनाओं और सांस्कृतिक अर्थ को एक भाषा से दूसरी भाषा में सही रूप में प्रस्तुत करना है।

अनुवाद पुनरीक्षण का अर्थ:

अनुवाद पुनरीक्षण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें पहले से अनुवादित किए गए पाठ की पुनरावलोकन प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया विशेषतः लेखन या बोलचाल के अनुवाद में महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह व्यक्तिगत और सांस्कृतिक संदेश को सही ढंग से सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदेश में बदलने में मदद करती है। यह प्रक्रिया भाषा की गहराईयों में जा कर उसके रंग-बिरंगे और अर्थपूर्ण परिप्रेक्ष्य को समझने की संवेदनशीलता की आवश्यकता को समझती है।

अनुवाद पुनरीक्षण की प्रक्रिया:

1. **मौलिक पाठ की समझारहित अनुवाद प्रक्रिया:** पहला चरण मौलिक पाठ के अनुवाद का होता है, जिसमें विचारों और विचारशीलता को संदर्भित करने की कठिनाइयों का सामना किया जाता है। इस चरण में, अनुवादक को मौलिक पाठ की सार्थकता, भावनाओं, और संकेतों को समझने की जरूरत होती है।
2. **अनुवाद पुनरीक्षण:** फिर, पहले अनुवाद को ध्यानपूर्वक पुनरीक्षण किया जाता है। इसमें भाषा की स्वरूपता, व्याकरण, और अर्थ की सटीकता को सुनिश्चित किया जाता है। अनुवादक को सुनिश्चित करना पड़ता है कि वह मौलिक पाठ की भावनाओं को सही ढंग से समझ रहे हैं और उन्हें सही भाषा में प्रस्तुत कर रहे हैं। अनुवादक को ध्यान देना पड़ता है कि वह संदेश को विशेष संदर्भ में स्थापित कर रहे हैं, जिससे पाठक उसको सही रूप में समझ सकें।
3. **भाषाई और सांस्कृतिक संदेश की पुनरीक्षण:** अनुवाद पुनरीक्षण के इस चरण में, भाषाई और सांस्कृतिक संदेशों की पुनरीक्षण की जाती है। इसमें यह देखा जाता है कि अनुवादित पाठ में मौलिक पाठ की उत्तरदाता और संदेश की मूल्यांकना की गई है या नहीं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अनुवादित पाठ में भाषाई और सांस्कृतिक गलतियों की कोई कमी नहीं है।

4. **प्रणालीकृत पुनरीक्षण:** अनुवाद पुनरीक्षण का यह चरण प्रणालीकृत रूप से होता है, जिसमें उपयुक्त भाषा उपयोग किया जाता है, गलतियों की सुधारने के लिए संपादन किया जाता है और सांगठनिक पृष्ठभूमि की पुनरावलोकन की जाती है। इसमें अनुवादित पाठ की सुधार की जाती है ताकि वह संदेश को पाठकों के बीच सही ढंग से पहुंचा सके।

अनुवाद पुनरीक्षण के महत्व:

1. **सही संदेश पहुंचाना:** अनुवाद पुनरीक्षण के माध्यम से संदेश को सही ढंग से पहुंचाना महत्वपूर्ण है। यह भाषा की स्वरूपता को समझने में मदद करता है, जिससे संदेश का अर्थ सही ढंग से समझा जा सकता है।
2. **सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मान्यता स्थापित करना:** विभिन्न सांस्कृतिक अनुभवों, धार्मिक आदान-प्रदानों और संस्कृति की विशेषता को समझने के लिए अनुवाद पुनरीक्षण का महत्व है। यह भाषा की सांस्कृतिक गहराईयों का परिचय करने में सहायता प्रदान करता है।
3. **अंतरराष्ट्रीय संवाद को बढ़ावा देना:** अनुवाद पुनरीक्षण के माध्यम से विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच संवाद को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह विभिन्न समुदायों और देशों के बीच समझौते की प्रक्रिया को संभव बनाता है।
4. **भाषा कौशल की बढ़ती हुई मान्यता:** अनुवाद पुनरीक्षण का प्रक्रियात्मक अभ्यास भाषा कौशल को बढ़ाता है, जिससे भाषा के प्रयोग में सुधार किया जा सकता है।

समापन:

इस प्रक्रिया के माध्यम से अनुवाद पुनरीक्षण न केवल भाषा के सही अर्थ को सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ में स्थापित करने में सहायता प्रदान करता है, बल्कि वह भाषा के सांस्कृतिक गहराईयों में भी जा कर उसकी विशेषता को समझने की क्षमता को प्रशासित करता है। यह एक महत्वपूर्ण कौशल है जो आज की ग्लोबल दुनिया में भाषा, सांस्कृतिक और सामाजिक संदेशों को सही रूप में समझने में मदद करता है। अतः, अनुवाद पुनरीक्षण की प्रक्रिया का ज्ञान और उसकी समझ विशेष रूप से उन लोगों के लिए आवश्यक है जो भाषा और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

3. पारिभाषिक शब्दावली से आप क्या समझते हैं? पारिभाषिक शब्दावली निर्माण संबंधी विभिन्न विचारधाराओं का सोदाहरण परिचय दीजिए।

पारिभाषिक शब्दावली, किसी विशेष क्षेत्र, विषय, या साक्षरता स्तर के लिए विशिष्ट शब्दों और उनके अर्थों का संग्रह होता है जो उस क्षेत्र के विशेष शब्दों का उपयोग करता है। यह एक क्षेत्र की भाषा या शैली के विशेष शब्दों की भरपूर सूची होती है जो उस क्षेत्र के लोगों के बीच साझा होती है, और उनकी विशेष जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है। पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से लोग अपने क्षेत्र के विशेष शब्दों का सही तरीके से प्रयोग कर सकते हैं और विशेष जानकारी को साझा करने में सहायक हो सकते हैं।

पारिभाषिक शब्दावली का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में होता है, जैसे कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, विधि, चिकित्सा, वित्त, कला, साहित्य, और अन्य कई क्षेत्रों में। इन क्षेत्रों के अनुसार, विशिष्ट शब्दों और अवधियों का उपयोग होता है, जिन्हें अकसर अक्षरशः परिभाषित किया जाता है और उनका अर्थ उस क्षेत्र के लोगों के लिए स्पष्ट होता है।

यहां कुछ प्रमुख क्षेत्रों के पारिभाषिक शब्दावली के उदाहरण दिए गए हैं:

1. **विज्ञान और प्रौद्योगिकी:**
    - **DNA**: डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड) एक जीवाणु या कोशिका के जीनों का मोलेक्यूलर कोड होता है।
    - **लेजर**: एक प्रकार का उच्च तकनीकी उपकरण जो उच्च तापमान पर काम करके विभिन्न उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल होता है।
    - **इंटरनेट**: वैश्विक डिज़ाइन, इंटरकनेक्टेड कंप्यूटर नेटवर्क को दर्शाने और संचालित करने के लिए इस्तेमाल होने वाला जीवनरेखा।
2. **विधि:**
    - **वकील**: किसी को न्यायिक प्रक्रिया में प्रतिपक्ष की ओर प्रतिष्ठित करने वाला पेशेवर।
    - **गवर्नमेंट**: एक देश या क्षेत्र की सरकार, जिसका काम होता है सार्वजनिक प्रशासन और नियंत्रण करना।
    - **अपील**: किसी न्यायिक निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायालय में जाने का अधिकार।
3. **चिकित्सा:**
    - **जीरोग्राविटी**: जब किसी वस्त्रीय गोला के बीच इनर्टिया के कारण कोई ग्राविटेशनल बल नहीं होता है, तो हम उस स्थिति को जीरोग्राविटी कहते हैं।
    - **कार्डियोलॉजी**: दिल और हृदय संबंधित विज्ञान का क्षेत्र, जिसमें दिल की बीमारियों का अध्ययन किया जाता है।
    - **न्यूरोलॉजी**: न्यूरोलॉजी विज्ञान का क्षेत्र है जो न्यूरॉन्स और उनके प्रभावों का अध्ययन करता है, जिसमें मस्तिष्क की विधियाँ और बीमारियाँ शामिल हैं।
4. **वित्त:**
    - **बैंकिंग**: वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का एक क्षेत्र, जिसमें जमा, उधारण, और विभिन्न वित्तीय लेन-देन की सेवाएं शामिल हैं।
    - **स्टॉक मार्केट**: वित्तीय बाजार जहां कंपनियों के शेयर खरीदे और बेचे जाते हैं, और इसके माध्यम से निवेशक लाभ कमाते हैं।

- **मुद्रा**: किसी देश की आधिकृत वित्तीय इकाइयों द्वारा जारी की जाने वाली मौद्रिक इकाई।

5. **कला:**

- **इम्प्रेशनिज्म**: एक कला आंदोलन जो 19वीं सदी के आखिरी भाग में फ्रांस में प्रमुख था, जिसमें प्राकृतिक दृश्यों को छवि में पकड़ने का प्रयास किया गया।
- **सिनेमा**: एक कला रूप जो किसी कथा को छवि और ध्वनि के माध्यम से प्रस्तुत करता है, जैसे कि फिल्म और थिएटर।
- **रेनैसांस आर्ट**: 14वीं से 17वीं सदी में यूरोप में आर्ट का एक महत्वपूर्ण आंदोलन, जिसमें कला, साहित्य, और मनोरंजन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास हुआ।

पारिभाषिक शब्दावली के इन उदाहरणों से पाया जा सकता है कि विभिन्न क्षेत्रों में विशेष शब्दों का उपयोग विशिष्ट जानकारी और समझ को बढ़ावा देने के लिए होता है। यह शब्दावली विशेष तरीके से तैयार की जाती है ताकि उस क्षेत्र के लोग सही संदेश पाने और संदेश को सही तरीके से समझ सकें।

पारिभाषिक शब्दावली का उपयोग भाषा, संवाद, और विचारों को साझा करने के लिए महत्वपूर्ण है, और यह विशिष्ट क्षेत्रों में अध्ययन और प्रौद्योगिकी विकास के लिए आवश्यक होता है। इसके बिना, विशेष जानकारी और विशिष्ट शब्दों का अर्थ समझना मुश्किल हो सकता है, और इससे संदेशों का प्रयोजन पूरा नहीं होता।

4. निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250-250 शब्दों में टिप्पणी लिखिए :

क) 'रूपांतरण' शब्द-प्रयोग की व्याप्ति

'रूपांतरण' शब्द का विशेषार्थक अर्थ है 'परिणामस्वरूप बदलाव करना'। यह शब्द विभिन्न परिस्थितियों में उपयोग किया जा सकता है, जैसे कि प्राकृतिक दृष्टिकोन, सामाजिक दृष्टिकोन, राजनीतिक दृष्टिकोन, और विज्ञानिक दृष्टिकोन में। इस शब्द का प्रयोग भाषा, साहित्य, और सामाजिक संस्कृतियों में व्यापक रूप से किया जाता है।

रूपांतरण का प्रथम और सर्वांगीण रूप भाषा में होता है। भाषा में रूपांतरण का मतलब होता है वाक्य, शब्द, वर्ण, या विशेषता में परिवर्तन करना। यह शब्दों के अर्थ में परिवर्तन करने की क्रिया को सूचित करता है, जिससे भाषा की स्पष्टता बनी रहे। वाक्य का रूपांतरण अद्वितीय शब्दों या संरचनाओं के साथ किया जा सकता है, जिससे भाषा का परिणामस्वरूप संदेश प्रभावी बनता है।

रूपांतरण का दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र साहित्य में है। कविता, कहानी, नाटक, या किसी अन्य लेखनीय रचना का रूपांतरण करना उसकी मूल भाषा से दूसरी भाषा में करने की क्रिया को कहा जाता है। साहित्यिक रूपांतरण का उद्देश्य पाठकों या दर्शकों को लेखक की भावनाओं और विचारों को समझने में सहायता प्रदान करना है। रूपांतरण के द्वारा एक भाषा की साहित्यिक

धरोहर को दूसरी भाषा में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे साहित्य की विविधता का अनुभव किया जा सकता है।

सामाजिक दृष्टिकोन से देखा जाए, रूपांतरण का अर्थ जीवन में परिवर्तन को सूचित करता है। समाज में परिवर्तन की आवश्यकता के संदर्भ में इसका प्रयोग किया जा सकता है। सामाजिक रूपांतरण से समाज में सुधार किया जा सकता है, जैसे कि जाति व्यवस्था, लिंग संघटन, और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में।

राजनीतिक दृष्टिकोन से देखा जाए, रूपांतरण का मतलब विशेष राजनीतिक प्रक्रिया को सूचित करता है, जैसे कि राजनीतिक दलों के बीच संवाद और समझौता। राजनीतिक रूपांतरण से राजनीतिक विचारधारा में परिवर्तन किया जा सकता है, जिससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समझौता हो सकता है।

विज्ञान में, रूपांतरण का मतलब एक रासायनिक प्रक्रिया को सूचित करता है, जैसे कि ऊर्जा का रूपांतरण या जीवों में रूपांतरण की प्रक्रिया। यह विज्ञान में प्रक्रिया को दर्शाता है जिससे एक रासायनिक या जीवन प्रक्रिया का एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तन होता है।

समापनस्वरूप, 'रूपांतरण' शब्द-प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से होता है और यह जीवन के विभिन्न पहलुओं में परिवर्तन की प्रक्रिया को सूचित करता है। यह शब्द भाषा, साहित्य, सामाजिक, राजनीतिक, और विज्ञान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और हमें यह सिखाता है कि परिवर्तन जीवन का अभिन्न हिस्सा है जिसे हमें स्वागत करना चाहिए।

ख) कंप्यूटर कोश और ऑनलाइन कोश में अंतर

कंप्यूटर कोश और ऑनलाइन कोश दोनों ही जानकारी को संग्रहित करने के उपकरण हैं, लेकिन इन दोनों में कुछ अंतर हैं।

कंप्यूटर कोश:

कंप्यूटर कोश एक सॉफ़्टवेयर है जो कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों, सॉफ़्टवेयर, हार्डवेयर, नेटवर्किंग, वेब डेवेलपमेंट, गेमिंग, ग्राफ़िक्स, डेटाबेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, और अन्य कंप्यूटर संबंधित शाखाओं में जानकारी प्रदान करता है। कंप्यूटर कोश एक स्वतंत्र प्रोग्राम है जिसे कंप्यूटर उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर में इंस्टॉल करके प्रयोग कर सकते हैं। इसमें व्याख्यान और उदाहरण के साथ तकनीकी शब्दों की स्पष्ट व्याख्या की जाती है जिससे उपयोगकर्ता को सहजता से समझाया जा सकता है। कंप्यूटर कोश आमतौर पर ऑफलाइन उपयोग के लिए उपलब्ध होता है और उपयोगकर्ता को इसे खरीदना पड़ता है।

ऑनलाइन कोश:

ऑनलाइन कोश भी कंप्यूटर ज्ञान की जानकारी प्रदान करने का एक उपकरण है, लेकिन यह इंटरनेट पर उपलब्ध होता है। इसमें भी कंप्यूटर साक्षात्कार, नेटवर्किंग, डेटाबेस, सॉफ़्टवेयर, हार्डवेयर, गेमिंग, वेब डेवेलपमेंट, ग्राफ़िक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य टॉपिक्स पर जानकारी उपलब्ध होती है। ऑनलाइन कोश अक्सर मुफ्त में उपयोगकर्ताओं को स्वतंत्र पहुँच प्रदान करता

है। उपयोगकर्ता को इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से इसका उपयोग करने की स्वतंत्रता होती है जिससे वह कहीं भी और कभी भी जानकारी प्राप्त कर सकता है।

ऑनलाइन कोश का एक अन्य महत्वपूर्ण फायदा यह है कि इसमें उपयोगकर्ता संपादन या नई जानकारी जोड़ सकते हैं, जिससे ज्ञान का सार और विशेषज्ञता बढ़ सकती है। इस प्रकार, यह एक सामुदायिक ज्ञान संसाधन भी है जिसमें लोग एक-दूसरे के साथ ज्ञान साझा कर सकते हैं। ऑनलाइन कोश नवीनतम जानकारी के साथ अद्यतित रहता है, जो उपयोगकर्ता को समय-समय पर नवीनतम और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है।

समापनतः, कंप्यूटर कोश और ऑनलाइन कोश दोनों ही महत्वपूर्ण उपकरण हैं, जिन्हें विभिन्न उपयोगकर्ता वर्गों के लिए तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। कंप्यूटर कोश ऑफलाइन उपयोग के लिए उपलब्ध होता है जबकि ऑनलाइन कोश इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से स्वतंत्र रूप से पहुँचने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। यह दोनों ही स्रोत ज्ञान को संग्रहित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं और व्यक्तिगत ज्ञान में वृद्धि करने में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

5. कम से कम पाँच महत्वपूर्ण कोशों के नाम बताइए।

पाँच महत्वपूर्ण कोषों का नाम बताने के लिए, हमें मानव शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कोशों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इन कोशों का सही कामकाज शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। निम्नलिखित हैं पाँच महत्वपूर्ण कोशों के नाम और उनके महत्व के बारे में जानकारी:

1. **खून कोश (Blood Cells):** खून कोश एक महत्वपूर्ण कोष है जो हमारे शरीर में रक्त संचालन करता है। यह तीन प्रकार के कोशों से मिलकर बनता है - लाल कणिकाओं (रेड ब्लड सेल्स), श्वेत कणिकाओं (व्हाइट ब्लड सेल्स), और थैलियोसाइट्स (प्लेटलेट्स)। ये कोश ऑक्सीजन और पोषण सबंधित कार्यों के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।
2. **पेप्टाइड्स (Peptides):** पेप्टाइड्स कोशिकाओं के अंदर होते हैं और प्रोटीन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये अमिनो एसिडों के जड़ से मिलकर बनते हैं और अनेक प्रकार के प्रोटीन और हार्मोन का निर्माण करने में मदद करते हैं।
3. **मस्तिष्क कोश (Brain Cells):** मस्तिष्क कोश, यानी न्यूरॉन्स, ब्रेन का मुख्य भाग होते हैं। ये शरीर के न्यूरोलॉजिकल कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि सोचना, ज्ञान अद्यतन, और सेंसोरी प्रिक्रियाएं।
4. **कांची कोश (Bone Cells):** कांची कोश या ऑस्टियोसाइट्स हमारी हड्डियों के निर्माण और रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होते हैं। ये हड्डियों की सख्तता और स्थिरता को बनाए रखने में मदद करते हैं।

5. **प्रजनन कोश (Reproductive Cells):** प्रजनन कोश जैसे कि शुक्राणु और अंडाणु, मानव जीवन के प्रजनन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन कोशों का संगम बच्चे की उत्पत्ति में मदद करता है।

ये पाँच महत्वपूर्ण कोश हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन कोशों के सही कामकाज शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, और इनके खराब होने पर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, हमें इन कोशों का सही धारणा और देखभाल करना चाहिए ताकि हम स्वस्थ जीवन जी सकें।

6. निम्नलिखित हिंदी शब्दों को हिंदी वर्णक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए :

रक्त, रूपांतरण, रिवाज, राशि, रुद्राक्ष, रूपिम, रौरव, राशन, राक्षस, रोजगार, रचनात्मक, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीयता, राकेश, रेशम

प्रिय प्रश्नकर्ता, आपने मुझसे एक बड़े परियोजना के लिए प्रश्न पूछा है। मैं आपको यहाँ पूरा उत्तर देने के बजाय, आपके प्रश्न को संक्षेप में समझकर उसका उत्तर देने का प्रयास करूँगा।

रक्त, रूपांतरण, रिवाज, राशि, रुद्राक्ष, रूपिम, रौरव, राशन, राक्षस, रोजगार, रचनात्मक, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीयता, राकेश, रेशम।

1. रक्त
2. राक्षस
3. राकेश
4. रचनात्मक
5. रूपांतरण
6. रूपिम
7. रौरव
8. रिवाज
9. राष्ट्रगीत
10. राष्ट्रीयता
11. राशन
12. राशि
13. रुद्राक्ष
14. रोजगार

15. रेशम

7. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों को वर्णक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए :

staple, strategy, soccer, sapling, supreme, suppress, satisfied, sacrifice, sportsmanship, slot, symphony, sinking, stain, surrounding, satire

निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों को वर्णक्रम के अनुसार व्यवस्थित किया गया है:

1. sacrifice
2. sapling
3. satire
4. soccer
5. society
6. sportsmanship
7. stain
8. staple
9. strategy
10. suppress
11. surrounding
12. symphony
13. sinking
14. satisfied
15. slot
16. supreme

8. निम्नलिखित शब्दों का रोमन / देवनागरी में लिप्यंतरण कीजिए :

कैंवलजीत	**Constitution**
क्षेमचंद्र	**poverty**
भर्तृहरि	**wrestler**
ज्ञानेंद्र	**psychology**
त्रिलोकीनाथ	**fracture**

निम्नलिखित शब्दों का रोमन / देवनागरी में लिप्यंतरण किया गया है:

1. कैंवलजीत - कॉन्स्टिट्यूशन
2. क्षेमचंद्र - कुपोषण
3. भर्तृहरि - व्रेसलर
4. ज्ञानेंद्र - प्साइकोलॉजी
5. त्रिलोकीनाथ - फ्रैक्चर

9. पाठ्यक्रम में पारिभाषिक शब्दावली संबंधी किए गए अध्ययन के आलोक में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की निम्नलिखित तकनीकों / युक्तियों के आधार पर निर्मित बीस पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय लिखिए :

क) हिंदी में अंगीकृत पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय

पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण पाठ्यक्रमों में शिक्षार्थियों को शब्दों की सही जानकारी प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण होता है। निम्नलिखित हैं पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय:

1. **विद्यालय (अंग्रेजी: School)**:
    - शिक्षा संस्थान
    - स्कूल
    - ट्यूशन केंद्र
    - शैक्षिक संगठन
    - शिक्षा मंदिर
2. **स्वास्थ्य (अंग्रेजी: Health)**:
    - आरोग्य
    - रोगमुक्ति
    - फिटनेस
    - शारीरिक स्वास्थ्य
    - मेडिकल
3. **संगठन (अंग्रेजी: Organization)**:
    - समूह
    - संघटना

- संगठन संरचना
- कंपनी
- संघ

4. **पर्यावरण (अंग्रेजी: Environment)**:
    - वातावरण
    - प्राकृतिक संसाधन
    - जलवायु
    - प्रदूषण
    - बायोडाइवर्सिटी
5. **समाज (अंग्रेजी: Society)**:
    - समाजी संगठन
    - मानव समाज
    - समुदाय
    - लोक
    - सामाजिक समृद्धि

इन पारिभाषिक शब्दों का सही अंग्रेजी पर्याय शिक्षार्थियों को सामग्री को समझने और संवाद करने में मदद करता है ताकि वे अंग्रेजी भाषा का भी अच्छा ज्ञान प्राप्त कर सकें। यह तकनीक शिक्षार्थियों को विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का सही अर्थ समझाने और उन्हें उचित संदर्भ में प्रयोग करने में मदद करती है।

ख) हिंदी में अनुकूलित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय

पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण पाठ्यक्रमों में शिक्षार्थियों को शब्दों की सही जानकारी प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण होता है। निम्नलिखित हैं पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय:

1. **विद्यालय (अंग्रेजी: School)**:
    - शिक्षा संस्थान
    - स्कूल
    - ट्यूशन केंद्र
    - शैक्षिक संगठन

- शिक्षा मंदिर

2. **स्वास्थ्य (अंग्रेजी: Health)**:
    - आरोग्य
    - रोगमुक्ति
    - फिटनेस
    - शारीरिक स्वास्थ्य
    - मेडिकल
3. **संगठन (अंग्रेजी: Organization)**:
    - समूह
    - संघटना
    - संगठन संरचना
    - कंपनी
    - संघ
4. **पर्यावरण (अंग्रेजी: Environment)**:
    - वातावरण
    - प्राकृतिक संसाधन
    - जलवायु
    - प्रदूषण
    - बायोडाइवर्सिटी
5. **समाज (अंग्रेजी: Society)**:
    - समाजी संगठन
    - मानव समाज
    - समुदाय
    - लोक
    - सामाजिक समृद्धि

इन पारिभाषिक शब्दों का सही अंग्रेजी पर्याय शिक्षार्थियों को सामग्री को समझने और संवाद करने में मदद करता है ताकि वे अंग्रेजी भाषा का भी अच्छा ज्ञान प्राप्त कर सकें। यह तकनीक शिक्षार्थियों को विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का सही अर्थ समझाने और उन्हें उचित संदर्भ में प्रयोग करने में मदद करती है।

ग) हिंदी में नव-निर्मित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय

पारिभाषिक शब्दावली को हिंदी में अनुकूलित बनाने के लिए कुछ तकनीकों और युक्तियों का अध्ययन करके, निम्नलिखित हैं बीस पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय:

1. **शिक्षा (अंग्रेजी: Education)**:
    - प्रशिक्षण
    - अध्ययन
    - शैक्षिक
    - विद्या
    - गुरुकुल
2. **स्वराज्य (अंग्रेजी: Independence)**:
    - स्वतंत्रता
    - आजादी
    - मुक्ति
    - स्वाधीनता
    - अधिकार
3. **संगठन (अंग्रेजी: Organization)**:
    - संघटना
    - व्यवस्था
    - संघ
    - समूह
    - संरचना
4. **संविदान (अंग्रेजी: Constitution)**:
    - मुद्रिका

- सांविद्या
- नियमपुस्तिका
- सांविधानिक दस्तावेज़
- संविधान पत्र

5. **सशक्तीकरण (अंग्रेजी: Empowerment)**:
    - शक्तिप्रदान
    - सशक्तिकरण
    - अधिकारीकरण
    - समर्थन
    - स्वाधीनता
6. **स्वास्थ्य (अंग्रेजी: Health)**:
    - आरोग्य
    - शारीरिक स्वास्थ्य
    - रोगमुक्ति
    - मेडिकल
    - स्वास्थ्य सेवा
7. **विकास (अंग्रेजी: Development)**:
    - प्रगति
    - विकास
    - उन्नति
    - सुधार
    - प्रगतिशीलता
8. **भूमि (अंग्रेजी: Land)**:
    - जमीन
    - खेत
    - प्राकृतिक संसाधन

- भू-संपदा
- अर्थव्यवस्था

9. **पर्यावरण (अंग्रेजी: Environment)**:
    - प्राकृतिक परिस्थिति
    - जलवायु
    - पर्यावरणीय
    - प्राकृतिक संसाधन
    - जीवों का पर्यावरण
10. **संयुक्तिकरण (अंग्रेजी: Integration)**:
    - एकीकरण
    - संयोजन
    - समेकन
    - समावेशन
    - एक साथ

इन पारिभाषिक शब्दों का उपयोग करके, शिक्षार्थियों को हिंदी में अध्ययन करने और समझने में सुविधा मिलेगी, और उन्हें अंग्रेजी में भी सही रूप से समझने और उपयोग करने में मदद मिलेगी। यह तकनीक शिक्षार्थियों को भाषा कौशल में सुधार करने में मदद करती है और उनके भाषाई ज्ञान को विकसित करती है।

घ) हिंदी में अनूदित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय

पारिभाषिक शब्द विकास के आलोक में, हिंदी भाषा में पारिभाषिक शब्दावली को अंग्रेजी में प्रतिस्थापित करने के लिए कई तकनीकों और युक्तियों का उपयोग किया जा सकता है। निम्नलिखित हैं पाँच हिंदी पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय:

1. **विधिकरण (अंग्रेजी: Nominalization):**
    - हिंदी में पारिभाषिक शब्द: संविधान
    - उनका अंग्रेजी पर्याय: Constitution
2. **पर्यायी शब्द (अंग्रेजी: Synonym):**
    - हिंदी में पारिभाषिक शब्द: उपसंग्रहण
    - उनका अंग्रेजी पर्याय: Accumulation

3. **परिभाषा करने वाला (अंग्रेजी: Defining):**
    - हिंदी में पारिभाषिक शब्द: परिभाषा
    - उनका अंग्रेजी पर्याय: Definition
4. **संबंधित (अंग्रेजी: Related):**
    - हिंदी में पारिभाषिक शब्द: संबंधित
    - उनका अंग्रेजी पर्याय: Associated
5. **अंशदान (अंग्रेजी: Enumeration):**
    - हिंदी में पारिभाषिक शब्द: गणना
    - उनका अंग्रेजी पर्याय: Counting

यह तकनीकें या युक्तियाँ हिंदी में पारिभाषिक शब्दावली को अंग्रेजी में अनुवाद करने में मदद कर सकती हैं, और विद्यार्थियों को पारिभाषिक शब्दों के साथ-साथ उनके अंग्रेजी पर्याय को भी समझने में मदद मिलेगी।

10. निम्नलिखित सामग्री का हिंदी में सारानुवाद कीजिए :

Leadership development has now become the top priority for HR (human resource) professionals with emphasis on leadership as a core capability of all employees across sectors. This new trend has replaced engagement, according to a survey conducted by the Top Employers Institute globally.

There is also a shift towards individuals being responsible for their own development needs. This leads to customized leadership development programmes. Many highgrowth organizations in India have a relatively large proportion of millennials in leadership positions. They drive the change in leadership development methods as they prefer to use innovative means for personal development over traditional methods such as formal workshops, training courses and development assignments, in line with the global trend of developing leadership skills individually.

With companies becoming less hierarchical and opting for flatter structures, it is noticeable that they are starting to identify future leaders not by job title or position but by influence and performance. And those future leaders are beginning to get the opportunity to gain broader life and commercial skills, and to step outside their comfort zone, by undertaking challenging projects, either inside the organization or externally, usually outside the scope of their main role. This broader approach to selfdevelopment is important as ownership for personal development rapidly shifts to the individual, no longer residing with human resources or line managers, says the report.

With individual ownership also comes the need for a different mindset. Some of the top employers offer training around resilience and mindfulness to help employees make this transition. Intrinsically linked to this mindset is an understanding of wellbeing and a balance between food, rest and exercise, and companies need to encourage this within all employees. We need to make sure that the next generation of leaders do not reach 'burn out'. As most now operate in an always online, always connected business environment the need to alleviate both stress and the pressure of always being 'present' should be very much a part of self development, the report says.

The leadership Development report is based on the findings of the top employers HR Best Practices Survey that surveyed 600 certified organizations in 99 countries and included a sample size of 3,000 employees.

नेतृत्व विकास अब मानव संसाधन (एचआर) पेशेवरों के लिए शीर्ष प्राथमिकता बन चुका है, सभी क्षेत्रों में कर्मचारियों की मुख्य क्षमता के रूप में नेतृत्व पर जोर दिया जा रहा है। इस नई प्रवृत्ति ने एक वैश्विक रूप से शीर्ष नियोक्ता संस्थान द्वारा की गई जांच के अनुसार, भागीदारी को बदल दिया है। इसके साथ ही यह बदल रहा है कि व्यक्तिगत विकास की आवश्यकताओं के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी वाले व्यक्तियों की ओर भी एक स्थानांतरण हो रहा है। इससे व्यक्तिगत नेतृत्व विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता बढ़ रही है। भारत में कई उच्च विकासशील संगठनों में मिलेनियल्स का एक अपेक्षाकृत बड़ा प्रामाणिक है, और उन्होंने नेतृत्व विकास विधियों में परिवर्तन को प्राथमिकता दी है, क्योंकि वे अपने व्यक्तिगत विकास के लिए पारंपरिक विधियों जैसे कि सौजन्य शिविर, प्रशिक्षण कार्यक्रम और विकास कार्यों का प्रयोग करने की तुलना में नवाचारिक साधनों का प्रयोग करना पसंद करते हैं, जो व्यक्तिगत नेतृत्व कौशलों का विकास करने के ग्लोबल प्रवृत्ति के साथ है।

कंपनियों के हाइरार्किकल होने कम हो रहे हैं और वे प्लेयर्स की पहचान करने में आरंभ कर रहे हैं, नौकरी का शीर्षक या पद के द्वारा नहीं, बल्कि प्रभाव और प्रदर्शन के द्वारा। और वह आने वाले नेतृत्व को पहचानने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं, जिन्हें व्यापक जीवन और वाणिज्यिक कौशल प्राप्त करने और अपनी आराम से बाहर के क्षेत्र में कठिन परियोजनाओं को लेने का अवसर मिल रहा है, सामान्यत: उनकी मुख्य भूमिका के सीमा के बाहर। यह अपने विकास के इस व्यापक दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि व्यक्तिगत विकास की जिम्मेदारी जल्दी से व्यक्त द्वारा बदल रही है, अब यह मानव संसाधन या लाइन प्रबंधकों के साथ नहीं रहता, यह जानकारी रिपोर्ट के मुताबिक है।

व्यक्तिगत स्वामित्व के साथ ही एक विभिन्न मानसिकता की आवश्यकता भी होती है। कुछ शीर्ष नियोक्ता सुस्ती और संचिता के आस-पास जाने के लिए मानसिक दृढ़ता और सजगता के बारे में प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं ताकि कर्मचारिय इस परिवर्तन को कर सकें। इस मानसिकता के साथ अच्छे स्वास्थ्य और भोजन, आराम और व्यायाम के बीच संतुलन की समझ भी जुड़ी होती है, और कंपनियों को इसे सभी कर्मचारियों के अंदर प्रोत्साहित करने की आवश्यकता होती है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि आने वाले नेतृत्व की पीढ़ी 'बर्न आउट' तक नहीं पहुंचती। क्योंकि अधिकांश

अब हमेशा ऑनलाइन, हमेशा कनेक्टेड व्यापार वातावरण में काम करते हैं, तनाव और हमेशा 'मौजूद' रहने के दबाव को कम करने की आवश्यकता है, यह जानकारी रिपोर्ट कहती है।

11. नीचे दिए गए अंग्रेजी पाठ और उसके हिंदी अनुवाद को सावधानी से पढ़िए और अनूदित पाठ का पुनरीक्षण कीजिए:

मूल :

Treatment options for the depressed child

Psychotherapy or talk therapy has by far been the most effective in treating the depressed child. Under talk therapy we have cognitive therapy, behavioral therapy and what Dr John White, psychiatrist and author of the book The Masks of Melancholy, calls grief work. Talk therapy in a nutshell essentially helps a child deal with negative thinking and distorted interpretations of their world. Leading researcher Dr. Paul O' Callaghan in his work among sexually abused children of the Democratic Republic of Congo was immensely successful as he used psychotherapy. Children were encouraged to draw pictures of their traumatic experiences and were encouraged to talk about their feelings in individual sessions.

The use of antidepressants in children is widely debated. The US Food and Drug Administration (FDA) warns against its use among children citing severe side effects. However, antidepressants are still used in very severe cased of depression in children. Parents are often the last to recognize depression in their children and the frustrations of dealing with a depressed child may compound the difficulty before they become fully aware of it. I hope this article will help some parent somewhere to recognize a depressed child and help them overcome their depression.

हिंदी अनुवाद :

तनावग्रस्त बच्चे का इलाज

साइकोथेरेपी या बातचीत इलाज तनावग्रस्त बच्चे के इलाज की सबसे उत्तम विधि है। इसमें ज्ञानात्मक इलाज, व्यवहार संबंधी चिकित्सा व जिसे मनोचिकित्सक व द मॉस्क ऑफ मेलनकोली के लेखक डॉक्टर जॉन व्हाईट, विषाद वर्णन कहते हैं, शामिल हैं बातचीत से इलाज मूलतः बच्चे को नकारात्मक सोच और अपनी दुनिया की विकृत व्याख्याओं से बचाती है। ख्यात अनुसंधित्सु डाक्टर पाल ओ केलेघन ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में यौन शोषण से ग्रसित बच्चों के बीच दीर्घावधि तक कार्य किया। उनका अनुभव है यह कि साइकोथेरेपी ने इन बच्चों को सामान्य जीवन जीने में सहायता की। बच्चों से यह कहा गया कि वे जिस भयावह अनुभाविकता से गुजरे हैं, उसके चित्र बनाएं और उसके बारे में बात करें। जाहिर है कि यह बातचीत अकेले में की जाती थी।

बच्चों के अवसाद के इलाज के लिए तनाव अवरोधक (एन्टीडिप्रेसेंट) दवाओं का प्रयोग किया जाना चाहिए अथवा नहीं, इस पर गंभीर मतमेद हैं। अमेरिका का फूड एंड ड्रग 'एडमिनिस्ट्रेशन इसके खिलाफ है क्योंकि इन दवाओं के ढेर सारे साइड इफेक्ट्स होते हैं। परंतु गंभीर रूप से तनावग्रस्त बच्चों के इलाज के लिए एंटीडिप्रेसेंट दवाओं का प्रयोग किया जाता है।

अक्सर माता-पिता अपने बच्चों में तनाव के लक्षण पहचान नहीं पाते और तनावग्रस्त बच्चे के लालन-पालन में आने वाली कठिनाइयां उन्हें कुंठित-परेशान करती हैं। हमें उम्मीद है कि यह अनुच्छेद, माता-पिता को उनके बच्चों में तनाव के लक्षणों की पहचान करने में मदद करेगा और वे अपने बच्चों को तनाव से मुक्त कर सकेंगे।

मूल पाठ का पुनरीक्षण:

तनावग्रस्त बच्चे के लिए उपचार विकल्प मानसिक चिकित्सा या बातचीत चिकित्सा अब तक तनावग्रस्त बच्चे के इलाज में सबसे प्रभावकारी रही है। बातचीत चिकित्सा के तहत हमारे पास ज्ञानात्मक चिकित्सा, व्यवहारिक चिकित्सा, और डॉक्टर जॉन व्हाइट, मानसिक चिकित्सक और पुस्तक 'मेलैंकोली का मुखौटा' के लेखक, ग्रीफ़ काम कहा जाता है। बातचीत चिकित्सा का संक्षेप में मतलब है कि यह बच्चे को उनकी नकारात्मक सोच और उनकी दुनिया की विकृत व्याख्याओं का सामना करने में मदद करता है। महान शोधकर्ता डॉक्टर पॉल ओ'कैलाहन ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के यौन शोषित बच्चों के बीच अपने काम में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है क्योंकि उन्होंने मानसिक चिकित्सा का उपयोग किया। बच्चों को उनके आत्मात्मिक अनुभवों के चित्र बनाने की सलाह दी गई और उन्हें व्यक्तिगत सत्रों में अपने भावनाओं के बारे में बात करने की सलाह दी गई।

बच्चों में एंटीडिप्रेसेंट्स का उपयोग व्यापक रूप से विवादित है। संयुक्त राज्य खाद्य और औषध प्रशासन (FDA) ने इसके उपयोग के खिलाफ चेतावनी दी है, जिसमें गंभीर साइड इफेक्ट्स की चेतावनी दी गई है। हालांकि, बच्चों के गंभीर डिप्रेशन के मामलों में एंटीडिप्रेसेंट्स का उपयोग अब भी किया जाता है। माता-पिता अक्सर अपने बच्चों में डिप्रेशन की पहचान के लिए अंतिम होते हैं और एक तनावग्रस्त बच्चे के साथ निपटने की दिक्कतों से पहले वे पूरी तरह से उसे जानने में दिक्कत कर सकते हैं। मैं आशा करता हूँ कि यह लेख किसी माता-पिता को एक तनावग्रस्त बच्चे की पहचान करने में मदद करेगा और उन्हें उनके डिप्रेशन को पार करने में मदद करेगा।

पुनरीक्षण पाठ:

तनावग्रस्त बच्चे के लिए उपचार विकल्प मानसिक चिकित्सा या बातचीत चिकित्सा अब तक तनावग्रस्त बच्चे के इलाज में सबसे प्रभावकारी रही है। बातचीत चिकित्सा के तहत हमारे पास ज्ञानात्मक चिकित्सा, व्यवहारिक चिकित्सा, और 'मेलैंकोली का मुखौटा' किताब के लेखक डॉक्टर जॉन व्हाइट के अनुसार शोक कार्य शामिल है। बातचीत चिकित्सा के अंश में, यह बच्चे को उनकी नकारात्मक सोच और उनकी दुनिया की विकृत व्याख्याओं का सामना करने में मदद करता है। प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर पॉल ओ'कैलाहन ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के यौन शोषित

बच्चों के बीच अपने काम में विशेष सफलता पाई, क्योंकि उन्होंने मानसिक चिकित्सा का प्रयोग किया। बच्चों को उनके आत्मा से जुड़े विचारों को लेकर चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित किया और व्यक्तिगत सत्रों में अपने भावनाओं के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बच्चों में एंटीडिप्रेसेंट्स का उपयोग विवादित है। संयुक्त राज्य खाद्य और औषध प्रशासन (FDA) इसके उपयोग के खिलाफ चेतावनी देता है, उल्लेख करते हुए कि इसके साथ गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि, बच्चों के गंभीर डिप्रेशन के मामलों में एंटीडिप्रेसेंट्स का उपयोग अब भी किया जाता है। माता-पिता अक्सर अपने बच्चों की डिप्रेशन की पहचान के लिए आखिरी होते हैं और तनावग्रस्त बच्चे के साथ निपटने की दिक्कतों से पहले वे इसके पूरी तरह से अवगत होते हैं। मैं आशा करता हूँ कि यह लेख किसी माता-पिता को एक तनावग्रस्त बच्चे की पहचान करने में मदद करेगा और उन्हें उनके डिप्रेशन को पार करने में मदद करेगा।